

Dr. Neeraj Kumar  
Guest

Subject of Psychology -

S.R.O.P. College, Baruchakia, East Champaran

(A Constituent Unit of B. R. A. Bihar University, Muz)

Subject - Psychology

Topic - Regionalism

Class - B.A. Part II Urdu Paper

Day - Saturday

Date - 11/02/2023

Period - 2nd period.

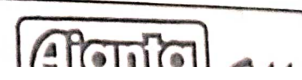
Contact no - 9801466117 / 6202215708

प्रश्न :- प्रदेशवाद का अर्थ क्या है और इससे क्या तात्पर्य है ?

उत्तर :- प्रदेशवाद का अर्थ है किसी एक प्रदेश के प्रति अत्यधिक प्रेम और प्रतिक्रिया को कहते हैं। इसका अर्थ है कि किसी एक प्रदेश के लोगों को अपने प्रदेश के प्रति अत्यधिक प्रेम और प्रतिक्रिया होनी चाहिए। इसका अर्थ है कि किसी एक प्रदेश के लोगों को अपने प्रदेश के प्रति अत्यधिक प्रेम और प्रतिक्रिया होनी चाहिए। इसका अर्थ है कि किसी एक प्रदेश के लोगों को अपने प्रदेश के प्रति अत्यधिक प्रेम और प्रतिक्रिया होनी चाहिए।

इस प्रकार किसी एक प्रदेश के लोगों को अपने प्रदेश के प्रति अत्यधिक प्रेम और प्रतिक्रिया होनी चाहिए। इसका अर्थ है कि किसी एक प्रदेश के लोगों को अपने प्रदेश के प्रति अत्यधिक प्रेम और प्रतिक्रिया होनी चाहिए। इसका अर्थ है कि किसी एक प्रदेश के लोगों को अपने प्रदेश के प्रति अत्यधिक प्रेम और प्रतिक्रिया होनी चाहिए। इसका अर्थ है कि किसी एक प्रदेश के लोगों को अपने प्रदेश के प्रति अत्यधिक प्रेम और प्रतिक्रिया होनी चाहिए। इसका अर्थ है कि किसी एक प्रदेश के लोगों को अपने प्रदेश के प्रति अत्यधिक प्रेम और प्रतिक्रिया होनी चाहिए।

यूएन निर्धारित कागज



1. ऐतिहासिक कारण :- अक्सर भीषण युद्धों के लिए ऐतिहासिक कारण उत्तरदायी हैं। उदाहरण के लिए, भारत के आर्यों के समय से ही पश्चिम तथा उत्तर में युद्ध-र-युद्ध के कठोर संघर्ष चल रहा है। उत्तर के क्षेत्रों के राज्यों के राजाओं के पश्चिम को विजित किया, पश्चिम में आगे बढ़े ही हमें कई ऐसे राज्यों को जो उत्तरी भारत में फैले हैं। इसके कारण ही भारत के लोगों को सभ्यता उत्तरी भारत में फैलाता है।

2. भौतिक कारण :- अक्सर ही भूगोल भीषण है। अक्षांश - अक्षांश प्रदेशों में रहने वाले लोगों को रहने-सहने, रानि-पानि, नहर-नरोड़े, पहाड़ों, रीढ़-खाड़ों को भौतिक कारण - दु - दु संघर्ष का कारण बनता है।  
(युद्धों का कारण उत्पन्न होता है)

3. राजनीतिक कारण :- देश में फैले क्षेत्रों के भूगोल के कारण राजनीतिक है। भिन्न-भिन्न भौतिक क्षेत्रों में राजनीतिक कारणों को लेकर नया राजनीतिक क्षेत्रों कादिक क्षेत्रों के दुर्भाग्य से युद्ध को कारण बने। राज्यों की सीमा बनें।

4. मनोवैज्ञानिक कारण :- अक्सर ही विकास और (विकास) में मनोवैज्ञानिक कारणों का महत्व भी बहुत बड़ा है। अक्षांश - अक्षांश क्षेत्रों के लोगों में साहस है कि उनको सभ्यता फैलाने का है।

5. अन्य कारण :- युद्ध अन्य कारणों से भी अक्सर भीषण भीषण कारणों को वलाकू किया है। जैसे कि अक्षांश - अक्षांश क्षेत्रों में रहने, वाले लोगों के विकास सामान्य स्तर पर नहीं मिले जाते। इसके परिणामस्वरूप सामान्य स्तर पर अक्षर रूप में जाते हैं। इसके कारण ही युद्ध सामान्य कारणों से भी फैलता है।